कानपुर, सोमवार, 23 फरवरी, 2026
वर्षः 03, अंकः 51, पृष्ठः 8+4

सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें
https://epaper.swarajindianews.com
Website: www.swarajindianews.com

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

इनसाइड मेक्सिको में 'अल मेंचो' ढेर...>Pg12

बोगस कंपनियों से करोड़ों की टैक्स चोरी...>Pg03

मूल्यः 2 ₹

सुप्रीम कोर्ट से अखिलेश दुबे को अंतरिम जमानत!

अखिलेश दुबे प्रकरण एक बार फिर सुर्खियों में

प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर के बहुचर्चित अधिवक्ता एवं कथित भूमाफिया अखिलेश दुबे से जुड़े मामलों में नया मोड़ आ गया है। लंबे समय से विभिन्न आपराधिक मामलों में जेल में निरुद्ध दुबे को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत मिलने की सूचना के बाद कानपुर सहित प्रदेश में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। देश की सर्वोच्च अदालत सुप्रीम कोर्ट ने अधिवक्ता अखिलेश दुबे को राहत देते हुए उन्हें जमानत दे दी है। सोमवार को सुनवाई करते हुए न्यायालय की पीठ, जिसमें न्यायमूर्ति संजय करोल एवं न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह शामिल थे, ने यह महत्वपूर्ण आदेश पारित किया।

अदालत से मिली यह राहत अंतरिम बताई जा रही है, जबकि उनके विरुद्ध दर्ज अन्य मामलों की सुनवाई और जांच प्रक्रिया अभी जारी है। इससे पहले दुबे को निचली अदालतों से लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट तक से राहत नहीं मिल सकी थी। उनकी जमानत की पुष्टि कानपुर स्थित एक रिश्तेदार ने की है।

अक्टूबर 2025 के अंत में हाईकोर्ट ने भाजपा नेता से कथित रंगदारी मांगने के मामले में उनकी जमानत अर्जी खारिज कर दी थी। अदालत ने आरोपों की गंभीरता को देखते हुए जमानत देने से इंकार किया था, जिसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत जारी रही। जांच एजेंसियों के अनुसार, दुबे के खिलाफ बड़ी संख्या में शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। इनमें मुख्य रूप से जमीन कब्जाने और संपत्ति विवादों में दबाव बनाने के आरोप, रंगदारी मांगने के मामले, विरोधियों को कथित रूप से फर्जी मुकदमों में फंसाने की शिकायतें, कई पीड़ितों द्वारा सामूहिक शिकायतें, जिनके आधार पर विशेष जांच दल (स्ट्रक्चर्ड) जांच कर रहा है। इन आरोपों के कारण मामला कानपुर के चर्चित आपराधिक प्रकरणों में शामिल हो गया था।

कानपुर में सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत की खबर सामने आते ही अधिवक्ताओं, राजनीतिक हलकों और आम नागरिकों के बीच इस मामले को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। कानूनी जानकारों का कहना है कि अंतरिम जमानत अंतिम निर्णय नहीं होती, बल्कि सुनवाई के दौरान दी गई अस्थायी राहत होती है। मुकदमों का अंतिम परिणाम ट्रायल, साक्ष्यों और जांच रिपोर्ट पर निर्भर करेगा।

रंगदारी, जमीन कब्ज़ा समेत कई मामलों में जेल में बंद थे; कानपुर में कानूनी हलकों में बढ़ी हलचल

क्या है मामला

यह जमानत वर्ष 2024 में रवि सतीजा द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर से जुड़े मामले में दी गई है। शिकायत में अधिवक्ता अखिलेश दुबे पर कथित रूप से 50 लाख रुपये की उगाही और धन की मांग करने का आरोप लगाया गया था। मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया के दौरान यह प्रकरण लगातार चर्चा में बना रहा।

अखिलेश दुबे 6 अगस्त 2025 से जेल में बंद

दिसंबर 2025 में उन्हें जेल अस्पताल से सामान्य बैरक में शिफ्ट किए जाने की भी जानकारी सामने आई थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ था कि उनकी न्यायिक हिरासत नियमित रूप से जारी है।

परिवार भी आया जांच के घेरे में

प्रकरण की जांच के दौरान उनके परिजनों की भूमिका को लेकर भी कार्रवाई हुई थी। उनकी बेटी की अग्रिम जमानत याचिका नवंबर 2025 में खारिज कर दी गई थी, जिससे मामले की गंभीरता और बढ़ गई थी।

सुप्रीम कोर्ट में हुई प्रभावी पैरवी

सुनवाई के दौरान अधिवक्ता अखिलेश दुबे की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ दवे ने पक्ष रखा। उनके साथ अधिवक्ता सौम्या दुबे (अखिलेश दुबे की पुत्री) तथा अधिवक्ता सत्यम द्विवेदी ने भी अदालत में प्रभावी ढंग से पैरवी की।

सीएम योगी का सिंगापुर में निवेश अभियान

उत्तर प्रदेश में पूंजी निवेश से तेज होगी विकास की रफ्तार

स्वराज इंडिया ब्यूरो

लखनऊ/सिंगापुर। उत्तर प्रदेश को तीव्र आर्थिक प्रगति की दिशा में अग्रसर करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिंगापुर में वैश्विक निवेशकों के साथ उच्चस्तरीय बैठकें कीं। इस दौरान सिंगापुर की प्रमुख निवेश कंपनी टेमासेक होल्डिंग्स के अध्यक्ष टियो ची हियान सहित शीर्ष प्रतिनिधियों से उत्तर प्रदेश में निवेश विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में यह स्पष्ट संकेत मिला कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं और औद्योगिक भंडारण क्षेत्र में बड़े निवेश की संभावनाएं हैं। मनीपाल हॉस्पिटल्स द्वारा गाजियाबाद में लगभग 500 करोड़ रुपये निवेश कर अत्याधुनिक

- **वैश्विक निवेशकों से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथकी महत्वपूर्ण वार्ता**
- **स्वास्थ्य, भंडारण और अवसंरचना क्षेत्र में निवेश की संभावनाएं**

चिकित्सा संस्थान स्थापित करने का प्रस्ताव प्रदेश में स्वास्थ्य अवसंरचना को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इससे न केवल बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध होंगी, बल्कि स्थानीय स्तर पर व्यापक रोजगार सृजन भी होगा।

इसी प्रकार, औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स अवसंरचना क्षेत्र की कंपनी एसेंडास सिंगब्रिज ने उत्तर प्रदेश में भंडारण पार्क और आपूर्ति श्रृंखला केंद्र विकसित करने में रुचि व्यक्त की है। इससे विनिर्माण इकाइयों को सशक्त आधार मिलेगा, निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और औद्योगिक गतिविधियों में तीव्रता आएगी।

मुख्यमंत्री ने निवेशकों को प्रदेश की सुदृढ़ कानून-व्यवस्था, विस्तृत एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, विकसित हो रहे रक्षा औद्योगिक गलियारे तथा डेटा सेंटर नीति की जानकारी देते हुए आश्वस्त किया कि राज्य में पारदर्शी नीतियां और त्वरित स्वीकृति प्रणाली लागू है। उन्होंने कहा कि पूंजी निवेश में वृद्धि से उत्पादन, रोजगार और आय के अवसर बढ़ेंगे, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती मिलेगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि प्रस्तावित निवेश साकार होते हैं तो उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य, उद्योग और अवसंरचना क्षेत्र में गुणात्मक परिवर्तन देखने को मिलेगा। इससे राज्य की आर्थिक गतिविधियों को नई ऊर्जा मिलेगी और समग्र विकास की गति तेज होगी। स्पष्ट है कि विदेशी निवेश में वृद्धि उत्तर प्रदेश के सर्वांगीण विकास, औद्योगिक विस्तार और आर्थिक सुदृढ़ता का आधार बनेगी।

एक नजर में...

- सिंगापुर में मुख्यमंत्री की वैश्विक निवेशकों से सार्थक वार्ता
- स्वास्थ्य क्षेत्र में लगभग 500 करोड़ रुपये निवेश का प्रस्ताव
- भंडारण एवं आपूर्ति अवसंरचना में निवेश की रुचि
- निवेश बढ़ने से रोजगार, उत्पादन और आय में वृद्धि की संभावना
- उत्तर प्रदेश को सशक्त एवं प्रगतिशील अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम को लकी होटल में मिली गंदगी

» पंजीकरण निलंबित किया गया

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर।खाद्य सुरक्षा विभाग ने गोल चौराहे स्थित लकी होटल का खाद्य विभाग पंजीकरण निलंबित कर दिया है। टीम ने होटल का निरीक्षण किया तो यहां काफी गंदगी मिली। फर्श कच्ची और चारों ओर पानी भरा हुआ। यहां वर्करों का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र, पानी की जांच की रिपोर्ट समेत सभी मानक विपरित मिले। सीएफएसओ धर्मेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि लकी होटल के निरीक्षण में यहां काफी गंदगी मिली। खाद्य पदार्थ अनहाइजीन मिले। बने और कच्चे खाने के सामान खुले पडे थे। किसी भी मानक का पूरा नहीं किया जा रहा था। इंप्रूवमेंट नोटिस देते हुए पंजीकरण निलंबित किया है।

शहर के कई ढाबों और रेस्टोरेंट के खाना खाने लायक नहीं है। कार्डियोलॉजी के पास स्थित लकी होटल में खाद्य सुरक्षा विभागी की टीम ने छापा मारा तो यहां मानक विपरित ही सब मिला। अफसर ने बताया कि पानी की जांच रिपोर्ट नहीं, पेस्ट कंट्रोल का प्रमाण पत्र नहीं, वर्करों का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र नहीं, फर्श कच्ची मिली यहां पानी भरा रहता है, दिवारों पर जाले भरे पडे हैं, डस्टबिन खुले, कच्चे और बने खाद्य पदार्थ खुले, जिन बर्तन में खाना दिया जा रहा वही भी गंदे मिले। होटल ने कोई भी नियमों का पालन नहीं किया, इसपर पंजीकरण निलंबित की कार्रवाई की गई है।

खाड़ेपुर में बीएलओ की मनमानी पर नागरिको ने जताया विरोध

एसडीएम ने पोलिंग सेंटरों का किया निरीक्षण, बीएलओ को दिए स्पष्ट निर्देश

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। नरवल तहसील क्षेत्र के वार्ड 21 खाड़ेपुर में एसडीएम विवेक कुमार मिश्रा ने सभी पोलिंग सेंटरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रत्येक बूथ पर नए मतदाताओं की संख्या और उनसे संबंधित अभिलेखों की विस्तार से जानकारी ली।

एसडीएम ने नरवल तहसील क्षेत्र के अंतर्गत स्थित शिवाजी इंटर कॉलेज, चौधरी इंटर कॉलेज, आर ए इंटर कॉलेज, प्राइमरी स्कूल अर्रा तथा शिवाजी स्कूल सहित सभी पोलिंग सेंटरों का निरीक्षण किया।

निरीक्षण में सामने आया कि कुछ बीएलओ सही ढंग से कार्य नहीं कर रहे थे। वे मैपिंग की रिसीविंग कॉपी मांग रहे थे, जबकि अन्य पोलिंग सेंटरों पर ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी।

साथ ही शिकायत मिली कि कुछ बीएलओ आम नागरिकों से ठीक से बात नहीं करते और नए मतदाता बनने आए लोगों को अन्य केंद्रों पर भेज देते हैं।

स्थानीय लोगों ने एसडीएम से अनुरोध किया कि सभी बीएलओ को स्पष्ट निर्देश दिए जाएं और सभी पोलिंग सेंटरों पर एक समान नियम लागू हो, ताकि आम जनमानस को सहयोग मिल सके।

इस पर एसडीएम ने सभी बीएलओ को निर्देशित किया कि मैपिंग की जानकारी केवल फार्म 6 में ही दर्ज की जाएगी, किसी प्रकार की रिसीविंग कॉपी नहीं ली जाएगी। उन्होंने यह भी आदेश दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति मतदाता सूची में नाम से वंचित न रहे। विकलांग एवं अत्यंत गरीब मतदाताओं के लिए घर जाकर फार्म भरवाने तथा उनके दस्तावेजों की फोटो लेकर प्रिंट निकालकर जमा कराने के निर्देश भी दिए गए।

इस मौके पर पूर्व पार्षद मधु मिश्रा, भारतीय जनता पार्टी के मंडल उपाध्यक्ष संदीप मिश्रा, मंडल महामंत्री भानु कुशवाहा सहित अन्य स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोष नाथ महाराज का भव्य स्वागत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। हरिद्वार में पट्टाभिषेक के बाद अनंत श्री विभूषित श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी आशुतोष नाथ महाराज के प्रथम कानपुर आगमन पर केशवनगर स्थित श्री शारदा शक्तिपीठ दरबार में भव्य स्वागत समारोह आयोजित हुआ।

रामा मेडिकल मंधना, कल्याणपुर, पनकी मंदिर और फजलगंज चौराहा सहित कई स्थानों पर श्रद्धालुओं ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। विधायक सुरेंद्र मैथानी भी स्वागत में शामिल रहे। बिरहाना रोड, निराला नगर और मा काली मंदिर से शोभायात्रा दीप तिराहा व साकेतनगर होते हुए दरबार पहुंची।

महिलाओं ने भजन-कीर्तन और फूलों की होली के बीच उत्सव मनाया।

बड़ी संख्या में भक्तों ने दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर शारदा उपाध्यक्ष, अंबुज उपाध्याय एडवोकेट ,अक्कू, मानस, सुयश साहू,नितेश राठौर अतुल शुक्ला, अजीत श्रीवास्तव, प्रदीप भाटिया,सिद्धार्थ तिवारी, सतीश शुक्ला, संतोष सिंह, विनय पाल, कमल यादव, दिव्यांशु गौड़ आदि मौजूद रहे।

बोगस कंपनियों से करोड़ों की टैक्स चोरी, दो पर मुकदमा दर्ज

फर्जी दस्तावेजों से कराया गया था जीएसटी पंजीकरण, 3.54 करोड़ से अधिक राजस्व हानि

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। महानगर में फर्जी पते पर बोगस कंपनियां बनाकर करोड़ों रुपए का कारोबार दिखाकर टैक्स चोरी करने का बड़ा मामला सामने आया है। राज्य कर विभाग की जांच में दो कारोबारियों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के आधार पर जीएसटी पंजीकरण कर भारी लेन-देन करने और राजस्व को करोड़ों का नुकसान पहुंचाने का खुलासा हुआ है। मामले में संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

नजीराबाद थाने में राज्य कर अधिकारी पंकज रावत की तहरीर पर दर्ज एफआईआर के अनुसार मेसर्स पीके ट्रेडर्स के स्वामी पुष्पेंद्र सिंह निवासी गुरैथा, मुरादाबाद ने 27 मई 2025 को दर्शनपुरवा स्थित एक पते पर जीएसटी पंजीकरण कराया था। 20 नवंबर 2025 को की गई जांच में पाया गया कि जिस पते पर पंजीकरण कराया गया, वह फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लिया गया था और वहां वास्तविक व्यापारिक गतिविधि नहीं पाई गई।

जांच में सामने आया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में 20 नवंबर तक फर्म द्वारा 16.44 करोड़ रुपए की बिक्री दर्शाई गई, जिससे सरकार को लगभग 3.54 करोड़ रुपए के राजस्व की क्षति हुई। वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 में भी कंपनी द्वारा 13.67 करोड़ रुपए की बिक्री दिखाई गई, जिसमें टैक्स अनियमितताओं की पुष्टि हुई है। विभाग को आशंका है कि इन लेन-देन के माध्यम से फर्जी बिलिंग कर इनपुट टैक्स क्रेडिट का लाभ उठाया गया।

राज्य कर विभाग ने भारतीय दंड संहिता 1860 तथा उत्तर प्रदेश एवं केंद्रीय माल एवं सेवा कर अधिनियम 2017 की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दस्तावेजों की पड़ताल की जा रही है।

नजीराबाद थाना क्षेत्र में दर्ज इस मुकदमे को लेकर अधिकारियों ने संकेत दिए हैं कि आगे और भी फर्जी फर्मों की जांच की जा सकती है।

इस संबंध में अंजली विश्वकर्मा ने बताया कि राज्य कर विभाग की शिकायत पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है। मामले में साक्ष्यों के आधार पर विधिक कार्रवाई की जाएगी और यदि अन्य लोग भी इसमें संलिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ भी कठोर कदम उठाए जाएंगे।

राज्य कर विभाग ने व्यापारियों को चेतावनी दी है कि फर्जी पंजीकरण और कागजी लेन-देन के माध्यम से टैक्स चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

डेंटल टेक्नीशियन ने लगाई फांसी, घर में मचा हाहाकार

- पत्नी शादी में गई थी, लौटने पर बंद कमरे में मिला पति का शव
- पुलिस व फॉरेंसिक टीम जांच में जुटी, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव

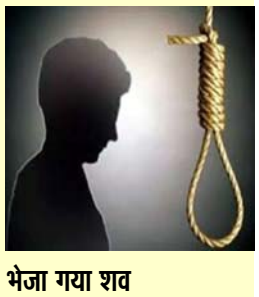

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर के लवकुश पुरम निवासी 36 वर्षीय डेंटल टेक्नीशियन मधुकर रंजन ने शनिवार देर शाम घर में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के समय उनकी पत्नी निशा एक रिश्तेदारी में शादी समारोह में गई थीं। रविवार को जब उन्होंने फोन किया और कॉल रिसीव नहीं हुआ तो अनहोनी की आशंका हुई।

पुलिस के मुताबिक घर पहुंचने पर गेट अंदर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर पड़ोसियों को बुलाया गया। पड़ोसियों ने छत के रास्ते घर में प्रवेश किया, जहां मधुकर का शव फंदे से लटका मिला।घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने जांच-पड़ताल कर साक्ष्य जुटाए। मृतक की 10 वर्षीय बेटी इंदु नवोदय विद्यालय में पढ़ती है, जबकि माता-पिता अलग रहते हैं। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। कल्याणपुर इंस्पेक्टर संतोष सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस पर बर्बरता का आरोप वायुसेना के जवान से मारपीट

शादी से लौट रहे जवान को गश्ती टीम ने रोक कर पीटा, डीसीपी साउथ ने एडीसीपी को सौंपी जांच

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। भारतीय वायुसेना के एक जवान के साथ कथित मारपीट का मामला सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हलचल मच गई है। घटना घाटमपुर थाना क्षेत्र की बताई जा रही है, जहां गश्त के दौरान पुलिस टीम द्वारा जवान को रोककर पूछताछ किए जाने के बाद विवाद खड़ा हो गया। जवान के परिजनों ने आरोप लगाया है कि पुलिसकर्मियों ने बेरहमी से मारपीट की, जिससे उनके बाएं कान का पर्दा फट गया। फिलहाल जवान एयरफोर्स अस्पताल में भर्ती हैं।

जानकारी के अनुसार देवमनपुर गांव निवासी नितीश सचान 19 फरवरी की रात नौरंगा गांव में आयोजित एक शादी समारोह से लौट रहे थे। रात करीब 11:30 बजे मूसानगर रोड स्थित एक गेस्टहाउस के पास घाटमपुर थाने की गश्ती टीम ने उन्हें रोका। पुलिस का कहना है कि नियमित जांच के तहत पूछताछ की जा रही थी, जबकि परिजनों का आरोप है कि बिना कारण गाली-गलौज की गई।

परिजनों के मुताबिक जब नितीश ने स्वयं को फौजी बताते हुए आपत्ति जताई और कथित व्यवहार का वीडियो बनाने का प्रयास किया तो पुलिसकर्मियों ने उनका मोबाइल छीन लिया और थाने ले गए। आरोप है कि थाने में मारपीट की गई, जिससे उनके कान में गंभीर चोट आई। बाद में उन्हें घाटमपुर सीएचसी ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया। शांति भंग की आशंका में कार्रवाई भी की गई।

परिजन नितीश को तत्परता से कानपुर स्थित एयरफोर्स अस्पताल ले गए, जहां चिकित्सकीय परीक्षण में कान का पर्दा फटने की पुष्टि होने का दावा किया गया है। डॉक्टरों ने उन्हें आराम और निगरानी में रखने की सलाह दी है। मामले की शिकायत मिलने पर डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने तत्काल संज्ञान लेते हुए एडीसीपी योगेश कुमार को जांच सौंपी है। डीसीपी ने स्पष्ट किया कि जांच निष्पक्ष होगी और यदि कोई पुलिसकर्मी दोषी पाया जाता है तो उसके विरुद्ध सख्त विभागीय व कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कानपुर के औद्योगिक पुर्नजीवन की दिशा में पहल, हरित चमड़ा समूह की संभावनाओं पर जोर

सीआईआई ने उद्योग जगत के साथ साझा की विकास रूपरेखा, सतत तकनीक और निर्यात क्षमता बढ़ाने पर बल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। Confederation of Indian Industry (सीआईआई) ने कानपुर में आयोजित प्रेस वार्ता में शहर के औद्योगिक विकास को नई गति देने तथा व्यावसायिक वातावरण को सुदृढ़ बनाने की अपनी प्राथमिकताओं को साझा किया। कार्यक्रम में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ क्षेत्रीय विकास, टिकाऊ उत्पादन व्यवस्था और वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर विस्तृत चर्चा हुई।

सीआईआई उत्तरी क्षेत्र के उपाध्यक्ष पुनीत कौरा (प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, Samtel Avionics) ने कहा कि कानपुर लंबे समय से देश के प्रमुख चमड़ा उद्योग तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों के महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में जाना जाता रहा है। बदलते वैश्विक व्यापार परिदृश्य में अब टिकाऊ उत्पादन, उत्पाद की पारदर्शी निगरानी तथा पर्यावरण, सामाजिक उत्तरदायित्व और सुशासन से जुड़े मानकों के पालन की मांग तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में स्थानीय उद्योगों को समय के अनुरूप स्वयं को ढालना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि सीआईआई के हरित व्यवसाय प्रोत्साहन केंद्र के सहयोग से कानपुर में हरित चमड़ा औद्योगिक समूह विकसित करने की संभावनाओं पर कार्य किया जा रहा है।

यह समूह उद्योगों को योजनाबद्ध और सामूहिक रूप से पर्यावरण–अनुकूल उत्पादन प्रणाली अपनाने में मार्गदर्शन देगा।

ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण पर रहेगा विशेष ध्यान

प्रस्तावित समूह के माध्यम से उद्योग ऊर्जा–सक्षम तकनीकों को अपनाने, जल संरक्षण को बढ़ावा देने, अपशिष्ट प्रबंधन व्यवस्था को सुधारने तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण मानकों के अनुरूप उत्पादन प्रणाली विकसित कर सकेंगे। इससे न केवल पर्यावरणीय प्रभाव बेहतर होगा, बल्कि वैश्विक बाजारों में निर्यात की प्रतिस्पर्धा भी मजबूत होगी।

लघु एवं मध्यम उद्योग आधारित विकास में कानपुर की बड़ी भूमिका

सीआईआई उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष आकाश गोयनका, निदेशक त्रश्यस्त्रद्दद्ध त्रह्ल्श्ह्वश्च ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में प्रमुख स्थान बना रहा है।

कानपुर अपनी मजबूत विनिर्माण परंपरा के कारण प्रदेश में लघु एवं मध्यम उद्योग आधारित विकास तथा रोजगार सृजन का प्रमुख आधार रहा है।

उन्होंने कहा कि उद्योग और सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर क्षेत्रीय औद्योगिक विस्तार को गति देने के लिए संगठन सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है।

उद्यमशीलता की पहचान रहा है कानपुर

सीआईआई कानपुर ज़ोन के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि कानपुर सदैव उद्यमशीलता और औद्योगिक सशक्तता से प्रेरित शहर रहा है।

तथा प्रदेश की आर्थिक प्रगति में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण रही है। संगठन उद्योगों के बीच समन्वय बढ़ाने, सहयोग को प्रोत्साहित करने और नए विकास अवसरों का लाभ दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है।

उपाध्यक्ष गौरव पिलानिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की प्राप्ति में कानपुर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

उनका कहना था कि उद्देश्य एक अधिक जुड़ा हुआ, प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार औद्योगिक वातावरण का निर्माण करना है।

विज्ञान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों के नवाचार ने मोहा मन

एआईएमएस पब्लिक स्कूल के विजेताओं को किया गया सम्मानित

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। एआईएमएस पब्लिक स्कूल विद्यालय परिसर में भव्य एवं सफल विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं ने विज्ञान आधारित आकर्षक और नवाचारपूर्ण मॉडल प्रस्तुत किए। प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा एवं रचनात्मकता का विकास करना रहा।

कार्यक्रम में विद्यालय के स्वामी एवं निदेशक डा. इमरान खान तथा श्रीमती सनोबर नाज़ विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों को भविष्य के वैज्ञानिक बनने की प्रेरणा देते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथियों के रूप में विवेक अवस्थी (अध्यक्ष,

निटा), धीरज श्रीवास्तव (अध्यक्ष, निटा), प्रशांत त्रिपाठी (अध्यक्ष, निटा) तथा रिज़वान हुसैन (अध्यक्ष, मरियम वेलफेयर ट्रस्ट) उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने विद्यार्थियों के प्रोजेक्ट्स का अवलोकन किया और उनके नवाचार व प्रस्तुति कौशल की प्रशंसा की।कार्यक्रम में अभिभावकों की भी उल्लेखनीय उपस्थिति रही। बड़ी संख्या में पहुंचे अभिभावकों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और विद्यालय के इस प्रयास की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

समारोह के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।अंत में विद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, अभिभावकों एवं मीडिया प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे शैक्षिक आयोजनों को निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

विजेताओं के नाम

- **पीजी- प्रथम-हिफ़ज़ान, द्वितीय - हैदर, तृतीय-अमायरा**
- **एलकेजी- प्रथम-शाहज़ान शेख, द्वितीय- अहान अहमद, तृतीय -हमदान व ज़ुखरुफ**
- **यूकेजी-प्रथम - मरीन खान, द्वितीय - शिवांश व मरियम खान सुभानी**
- **कक्षा 1- प्रथम-मुस्तफा, द्वितीय- रज़ा, तृतीय- आयरा परवेज, आफिया अमीन व हिफ़्ज़ा**
- **कक्षा 2- प्रथम -सजल, द्वितीय-सुगरा, तृतीय -ज़ैद**
- **कक्षा 3- प्रथम -जुनैद, द्वितीय - अशरा परवेज, तृतीय - वैष्णवी**
- **कक्षा 4-प्रथम- सुमायरा, द्वितीय- सिदरा अंसारी, तृतीय- अमायरा खान**
- **कक्षा 5- प्रथम -आयुष, द्वितीय- रहमा फातिमा, तृतीय- नितांत कश्यप**
- **कक्षा 6-प्रथम -ज़रीन, द्वितीय- अफ्फान, तृतीय- कामिल व अयान**

सम्पादकीय

संघीय ढांचे पर आंच सरकारें टकराव को टालें

भारतीय लोकतंत्र के केंद्र में सत्ता किसी भी राजनीतिक दल की रही हो, राज्यों में विरोधी दलों की सरकारों व राज्यपालों में टकराव की खबरें दशकों से अखबारों की सुर्खियां बनती रही हैं। जनसरोकारों की रक्षा व राज्य सरकारों की बेलगाम नीतियों पर संतुलन के लिये सृजित यह संवैधानिक पद गाहे-बगाहे विवादों की चपेट में आता रहा है। बहुमत की सरकारों को गिराने के खेल पिछली सदी में भी सुर्खियों में रहे हैं। इस कड़ी में कर्नाटक विधानसभा में घटा ताजा अप्रिय घटनाक्रम भी जुड़ गया। ऐसे में राजभवनों को लोकभवन बनाने को यथार्थ में बदलने की जरूरत भी महसूस की जा रही है। निस्संदेह, कर्नाटक विधानसभा में जो भी कुछ घटा वह राजभवन व निर्वाचित सरकारों के बीच जारी टकराव का एक निचला स्तर ही कहा जा सकता है। खासकर उन राज्यों में जहां राजग की सरकारें नहीं हैं। दरअसल, विधानसभा में मंत्रिपरिषद द्वारा तैयार किए गए पाठ को छोड़कर पारंपरिक संबोधन को केवल कुछ पंक्तियों में सीमित करने के निर्णय के बाद कर्नाटक में एक नया विवाद खड़ा हो गया। जिसका प्रभाव कांग्रेस शासित दक्षिणी राज्य के अलावा भी बहुत दूर तक महसूस किया गया। निर्विवाद रूप से नये साल के पहले सदन की शुरुआत में राज्यपाल का संबोधन एक संवैधानिक परंपरा रही है। यह राज्यपाल के व्यक्तिगत बयान के बजाय राज्य सरकार की नीतियों और प्राथमिकताओं का औपचारिक विवरण होता है। लेकिन सत्र की शुरुआत में राज्यपाल थावरचंद गहलोत अपने द्वारा तैयार किया गया संक्षिप्त भाषण देकर सदन से बाहर चले गए। राज्य की कांग्रेस सरकार ने उन पर केंद्र सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करने का आरोप लगाया। उल्लेखनीय है यहां यह तल्ख टकराव हाल में तमिलनाडु और केरल विधानसभा में हुए अप्रिय घटनाओं के बाद सामने आया है। विडंबना है कि ऐसी ही असहमतियां, हाल के वर्षों में आम हो चली हैं। जिसे भारत जैसे संघीय लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं कहा जा सकता है।दरअसल, विभिन्न राज्यों में विपक्षी दलों वाली सरकारों के मुखिया आरोप लगाते रहे हैं कि अधिकतर राज्यों में राज्यपाल का उपयोग केंद्र सरकार के राजनीतिक लक्ष्यों को हासिल करने वाले साधन के रूप में ही किया जा रहा है। निस्संदेह, राज्यों में राज्यपालों से उम्मीद की जाती है कि वे केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच एक निष्पक्ष पुल का दायित्व निभाएं। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी राज्यपाल को मसविदा संबोधन पर आपत्ति उठाने का अधिकार तो होता है, लेकिन इसके प्रत्युत्तर में संवैधानिक नैतिकता भी अपरिहार्य है। निश्चित रूप से ऐसी किसी भी असहमति को संवाद के माध्यम से हल करने की जरूरत होती है। राज्यपाल और राज्य सरकारों को सदन के भीतर आमने -सामने की भिड़ंत से हर हाल में बचने का प्रयास करना चाहिए। निर्विवाद रूप से किसी भी राज्यपाल और राज्य सरकार का अंतिम लक्ष्य जनता के हितों की रक्षा करना ही होता है। लेकिन किसी भी स्थिति में जब राज्यपाल और राज्य सरकारें विपरीत उद्देश्यों के लिये काम करने लगते हैं, तो शासन की गुणवत्ता का प्रभावित होना स्वाभाविक ही है। निर्विवाद रूप से यह केवल अहम का टकराव मात्र नहीं है। यह सरोकारों के संघवाद की भी एक परीक्षा है। उल्लेखनीय है कि आजकल केंद्र सरकार राजभवनों का नाम बदलकर लोकभवन बनाने की मुहिम चला रही है।

वॉशिंगटन में भारतीय हितों की रक्षा के निहितार्थ

निरंजन रस्तोगी

भारत को जरूरत है आसान शर्तों वाले अमेरिकी बाज़ार की, उन्हें भी हमारी है। बहरहाल, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कथित तौर पर व्यापार समझौता करवाने व भारत को पैक्स सिलिका में शामिल कराने में भूमिका निभाई। वहीं विदेश मंत्री मार्को रुबियो समझौते का ड्राफ्ट तैयार कर रहे हैं, जिसमें बाज़ार खोलने की बात है।अमेरिका में हमारा आदमी वह नहीं है जिसके बारे में आप अंदाजा लगा सकते हैं, दरअसल, वह उनका सहयोगी है यानि भारत में अमेरिका के राजदूत, सर्जियो गोर। यह शख्स बहुत ज्यादा रोचक है। वे 1986 में उज़्बेकिस्तान के ताशकंद में, बतौर पूर्व सोवियत यूनियन नागरिक पैदा हुए थे (नाम सर्जियो गोरोखोव्स्की रखा गया); एक दशक के अंदर उनका परिवार अमेरिका चला गया, जहां उन्होंने अपना सरनेम छोटा कर लिया।

उम्र के चालीस साल पूरे करने से पहले ही श्रीमान गोर न केवल दुनिया के सबसे ताकतवर आदमी, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नज़दीकी बने हुए हैं, बल्कि ऐसा लगता है कि व्हाइट हाउस तक पहुंचने वाले रास्ते की मुश्किलें आसान बनाने में वे भारत की हर संभव मदद कर रहे हैं। अगर ऐसा ही चलता रहा, तो मेरी बात याद रखिए, अगले गणतंत्र दिवस पर वे एक उच्च पद?म सम्मान के पक्के दावेदार होंगे।अब श्रीमान गोर की शोहरत का दावा सिर्फ़ उस धमाकेदार खबर पर नहीं टिका है, जो उन्होंने बीते शुक्रवार दिल्ली में ब्रेक की थी, अर्थात, प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बहुत जल्द भेंट हो सकती है; यह देखते हुए कि ट्रंप ने अभी हाल ही में कहा है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान '11 बहुत महंगे' लड़ाकू जेट मार गिराए गए थे, भारत निश्चित रूप से इस पर नज़र रखेगा। माना जाता है कि गोर ने भारत के विरुद्ध अड़ियल रवैया अपनाए बैठे अमेरिकी प्रशासन को अंततः व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए मनाया है – और भारत को 50 फीसदी टैरिफ की मुसीबत से राहत दिलवाई है, भले ही हम 5,000 साल पुरानी सभ्यता के वारिस हैं।इसके अलावा, कहा जा रहा है कि उन्होंने एआई और महत्वपूर्ण खनिजों के मामले पर भारत को अमेरिका के नेतृत्व वाले वैश्विक संगठन, 'पैक्स सिलिका' में प्रवेश पाने में भी मदद की है; मत भूलिए कि अमेरिकियों ने दो महीने पहले, दिसंबर में, इसी संगठन में भारत के लिए दरवाज़े बंद करवा दिए थे। (तो हृदय परिवर्तन की वजह क्या हैअब आप दलील देंगे कि यह सब तो आमतौर पर होता रहता है, कि यह तो गोर का काम है कि वह स्थानीय लोगों, मतलब हम भारतीयों के साथ ,तालमेल बनाकर रखें ङ्क और यहां पर मैं यह शब्द सोच-समझकर सलाह के रूप में उपयोग कर रही हूं, क्योंकि आपने अब तक वह पढ़ लिया होगा जो गोर के काफी ताकतवर साथी, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक हफ्ते से भी कुछ पहले म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में कहा था। और कक्ष में मौजूद सभी राजनेता, जिनमें से अधिकांश गोरे थे, उन्होंने जोश में तालियां बजाईं। यह और बात है कि इन्हीं में से कई लोग लगातार अलग-अलग रंगों की त्वचा वाले लोगङ्क भूरे, काले, पीलेङ्क जोकि भारत और चीन जैसे तीसरी दुनिया के देशों में रहते हैं, उनके साथ व्यापार समझौते करने की कोशिशें कर रहे हैं, क्योंकि बाजार वहीं पर हैं। म्यूनिख में रुबियो के अनुसार, 'हमें अपनी राष्ट्रीय सीमाओं पर भी नियंत्रण करना होगा। यह नियंत्रण कि कौन और कितने लोग हमारे देशों में आते हैं, यह कोई ज़ेनोफ़ोबिया (परदेसियों का भय) दिखाना नहीं है। यह नफ़रत नहीं है। यह राष्ट्रीय प्रभुसत्ता का एक बुनियादी काम है'।आपको क्यूबाई मूल के अमेरिकी की अमेरिका के झंडे 'स्टार्स एंड स्ट्राइप्स' को लहराने की तीव्र या कुछ हद तक बेताब इच्छा की खातिर अवश्य ही तारीफ करनी होगी, किंतु विडंबना पर ध्यान दें। लेकिन, एक ताकतवर अमेरिकी विदेश मंत्री श्रीमान रुबियो ऐसा रुख अपना रहे हैं जो भविष्य के सुंदर पिचाई जैसों को अमेरिका में पैर जमाने की कोशिश करने में अड़चन बनेगा।

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह

क्षमा शर्मा

पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निर्देशों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है।

जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है। राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है।

सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है। पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी। आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है।

चौबेपुर में मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे दो क्लीनिक सील

इंजेक्शन के बाद बिगड़ी हालत, परिजनों का आरोप गलत इलाज से गई जान

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बुखार जैसे सामान्य रोग का इलाज जानलेवा साबित हुआ और दो परिवारों की खुशियां उजड़ गईं। भौसाना गांव और रहमतनगर में मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहे कथित क्लीनिकों पर आखिरकार स्वास्थ्य विभाग ने ताला जड़ दिया। दोनों जगहों पर गलत इलाज और संदिग्ध इंजेक्शन से मौत के आरोप हैं।

बोझा गांव के 58 वर्षीय दिनेश गौतम को तेज बुखार था। परिजन उन्हें भौसाना के एक मेडिकल स्टोर पर ले गए, जहां दवा बेचने के साथ इलाज भी किया जा रहा था। आरोप है कि तुरंत आराम दिलाने के नाम इंजेक्शन लगाया गया और कुछ ही देर में हालत बिगड़ गई। अस्पताल ले जाने से पहले ही उनकी सांसें थम गईं। मौत की खबर फैलते ही परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। पुलिस को हालात संभालने के लिए मौके पर पहुंचना पड़ा।रविवार को स्वास्थ्य विभाग की टीम जब जांच के लिए पहुंची तो क्लीनिक पर ताला लटका मिला और संचालक फरार था। प्राथमिक जांच में दस्तावेजों और संचालन में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। टीम ने मेडिकल स्टोर समेत क्लीनिक को सील कर नोटिस जारी कर दिया।

उधर चौबेपुर के रहमतनगर में भी एक व्यक्ति की कथित रूप से गलत इंजेक्शन लगाने के बाद मौत हो गई। यहां भी मेडिकल स्टोर के भीतर इलाज किया जा रहा था। शिकायत मिलते ही स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान को बंद करा दिया। लगातार

कल्याणपुर से बिल्हौर तक कई क्लीनिक मानकों से दूर

कल्याणपुर से बिल्हौर तक संचालित कई निजी क्लीनिकों की व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का कहना है कि कुछ स्थानों पर निर्धारित स्वास्थ्य मानकों का पालन पूरी तरह सुनिश्चित होता नहीं दिख रहा। आवश्यक पंजीकरण प्रमाणपत्रों का प्रदर्शन, प्रशिक्षित चिकित्सकीय स्टाफ की उपलब्धता, बायो-मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण और आपातकालीन उपकरणों की व्यवस्था जैसी बुनियादी शर्तों में सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग समय-समय पर निरीक्षण और मानक अनुपालन की बात करता है, वहीं स्थानीय लोग अपेक्षा जता रहे हैं कि यदि कहीं भी कमी है तो उसे पारदर्शी ढंग से चिन्हित कर आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएं, ताकि मरीजों की सुरक्षा और भरोसा दोनों कायम रह सके।

- दो मौतों के बाद भौसाना और रहमतनगर में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई
- जांच से पहले ही ताला डालकर फरार हो गया क्लिनिक संचालक

हो रही इन मौतों ने क्षेत्र में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। हाल में एक निजी नर्सिंग होम में बच्ची की मौत के बाद यह दूसरी और तीसरी घटना है। सवाल यह है कि आखिर मेडिकल स्टोरों में बिना विशेषज्ञता के इलाज कौन और किसकी शह पर कर रहा है? स्थानीय लोगों का कहना है कि अगर समय रहते ऐसे अवैध क्लीनिकों पर लगाम नहीं लगाई गई तो और भी जानें जा सकती हैं।

विशेष अभियान दिवस पर 16 केंद्रों के 44 बूथों की पड़ताल

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। तहसील बिल्हौर क्षेत्र में रविवार को विशेष अभियान दिवस के तहत प्रशासनिक अमला पूरी तरह मुस्तैद रहा। एसडीएम संजीव दीक्षित और तहसीलदार अनुभव चंद्रा ने 16 मतदान केंद्रों पर बनाए गए कुल 44 बूथों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की हकीकत परखी और आवश्यक सुधार के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान बिल्हौर इंटर कॉलेज में आठ बूथ, उच्च प्राथमिक विद्यालय बिल्हौर प्रथम में चार, बाबा रघुनंदन दास इंटर कॉलेज में दो, प्राथमिक विद्यालय बिल्हौर देहात व बरौली में दो-दो बूथों की जांच की गई। इसके अलावा संविलियन विद्यालय गोहलियापुर में एक, रहीमपुर करीमपुर में दो, डोडवा जमौली में तीन, लालपुर में दो, उत्तरी में तीन, घिमऊ में दो, पूरा में तीन तथा प्राथमिक विद्यालय

- मतदाता सूची कार्य को लेकर भी दिए निर्देश

पूरा प्रथम में चार बूथों का निरीक्षण किया गया। वहीं माननिवादा खंड मदारारायगुमान में एक और मदारारायगुमान तीन में तीन बूथों की भी पड़ताल की गई।

अधिकारियों ने मतदेय स्थलों पर पेयजल, शौचालय, रैंप, प्रकाश व्यवस्था और साफ-सफाई की स्थिति का बारीकी से जायजा लिया। जहां कहीं भी कमियां मिलीं, वहां संबंधित कर्मचारियों को तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने बताया कि विशेष अभियान का उद्देश्य मतदाता सूची संबंधी कार्यों को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराना है, ताकि मतदान केंद्र मानकों के अनुरूप तैयार रह सकें और मतदाताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन बिल्हौर की नई कार्यकारिणी ने ली शपथ

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर तहसील सभागार में शनिवार को एकीकृत एडवोकेट बार एसोसिएशन बिल्हौर के शपथ ग्रहण समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने विधिवत शपथ लेकर संगठन की बागडोर संभाली।

मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व बार काउंसिल उपाध्यक्ष अंकज मिश्रा ने नई कार्यकारिणी को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अधिवक्ताओं की एकजुटता ही न्याय व्यवस्था की मजबूती की आधारशिला है। उन्होंने नई टीम से अधिवक्ता हितों की रक्षा, न्यायालय की गरिमा बनाए रखने और समाज के प्रति जिम्मेदार भूमिका निभाने का आह्वान किया। शपथ लेने वालों में अध्यक्ष विनीत गुप्ता, महामंत्री अनुराग द्विवेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष

- मुख्य अतिथि अंकज मिश्रा ने दिलाई पद व गोपनीयता की शपथ

योगेन्द्र शुक्ला, कनिष्ठ उपाध्यक्ष नरेन्द्र मिश्रा, कोषाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह, मंत्री आशीष शुक्ला, मीडिया प्रभारी आशीष द्विवेदी, संयुक्त मंत्री (प्रशासन) सत्येन्द्र एस. यादव, संयुक्त मंत्री (प्रकाशन) अंशुमान सिंह सहित कार्यकारिणी सदस्य अशोक शुक्ला, बलवीर सिंह, सुमन गुप्ता और सोनी सिंह शामिल रहे। समारोह में क्षेत्रीय विधायक राहुल बच्चा सोनकर तथा न्यायिक अधिकारी विकास कुमार की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई।

अतिथियों ने नव-निर्वाचित टीम को बधाई देते हुए संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की उम्मीद जताई।कार्यक्रम के अंत में अधिवक्ताओं ने एकजुटता और संगठन की मजबूती का संकल्प दोहराया।

आरपीएस स्कूल में 'खुशियों का कारवाँ 2.0' की धूम

स्वराज इंडिया ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर नगर)। मकनपुर स्थित आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल में रविवार को समग्र विकास में अनुभवात्मक अधिगम की भूमिका विषय पर विशेष परिचर्चा सांस्कृतिक कार्यक्रम और रचनात्मक गतिविधियों का भव्य आयोजन किया गया। 'खुशियों का कारवाँ 2.0' के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और नवाचार की झलक साफ दिखाई दी। कार्यक्रम की शुरुआत वंदना और स्वागत गीत से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने समाचार पत्रों से तैयार अनोखे परिधानों में रैम्प वॉक कर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

विज्ञान प्रयोगों की प्रस्तुति ने अभिभावकों को खासा प्रभावित किया। बच्चों ने सरल प्रयोगों के माध्यम से जटिल सिद्धांतों को सहज ढंग से समझाया, जिससे अनुभव आधारित शिक्षण की उपयोगिता स्पष्ट नजर आई। परिचर्चा में वक्ताओं ने कहा कि केवल पुस्तकीय ज्ञान से विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास संभव नहीं है। अनुभवात्मक गतिविधियों से ही बच्चों में सृजनशीलता, नेतृत्व क्षमता, आत्मविश्वास और समस्या समाधान की दक्षता विकसित होती है। जब छात्र स्वयं प्रयोग करते हैं और सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं, तभी शिक्षा वास्तविक अर्थों में प्रभावी बनती है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा इन्फ्लुएंसर शमाइल हसन शम्सी उपस्थित रहे। अभिभावक प्रतिनिधि सैयद हशम अब्बास नकवी ने भी अपने विचार रखे। विद्यालय की निदेशक आरती कटियार और लवांश कटियार की अध्यक्षता में कार्यक्रम संपन्न हुआ। प्रधानाचार्या लकी जैन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

- अनुभव आधारित शिक्षण पर मंथन, विज्ञान प्रयोगों और रचनात्मकता ने जीता दिल
- वरिष्ठ पत्रकार हशम नकवी बोले, जीवन के अनुभव ही गढ़ते हैं व्यक्तित्व और सफलता की राह

पेरेंट्स ने किए एक्सपर्ट से सीधे सवाल

आरपीएस इंटरनेशनल स्कूल ने खुशियों के कारवां के मौके पर पेरेंट्स के लिए एक स्पेशल डिबेट का आयोजन किया जिसमें सवालों का जवाब देने के लिए एजुकेशन इन्फ्लूसर शमाइल हसन शम्सी,अभिभावकों का पक्ष रखने के लिए सैयद हशम अब्बास नकवी,कैब्रिज यूनिवर्सिटी से आए मिस्टर लवांश,ग्रुप महानिदेशक आरती कटियार,और स्कूल की प्रिंसपल लक्की जैन ने अनुभव आधारित शिक्षा के जीवन में महत्व के अनेक पहलुओं पर चर्चा करते हुए अभिभावकों के सवालों के जवाब दिए। पैनलिस्ट वरिष्ठ पत्रकार हशम नकवी ने बताया कि कबीर,तुलसी,खुसरो,ग़ालिब ये सभी अपने अनुभव के आधार पर महानता को पहुंचे। कहा जीवन के अनुभव ही गढ़ते हैं व्यक्तित्व और सफलता की राह।

एक सा दर्दनाक संयोग: हर हादसे में चार-चार मौतें, एक हफ्ते में तीन जिलों में मातम

फतेहपुर, कानपुर और कानपुर देहात में अलग-अलग दुर्घटनाएं लेकिन हर जगह चार जिंदगियां बुझीं

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश के मध्य क्षेत्र में बीते एक सप्ताह के भीतर हुए तीन भीषण सड़क हादसों ने लोगों को झकझोर कर रख दिया है। हैरान करने वाला तथ्य यह है कि तीनों घटनाओं में एक समान और बेहद मार्मिक संयोग सामने आया–हर हादसे में ठीक चार-चार लोगों की मौत हुई। यह संयोग अब लोगों के बीच चर्चा का विषय है और सड़क सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल भी खड़े कर रहा है।

कानपुर देहात के रूरा से जुड़ी घटना

पहली घटना उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में ललौली थाना क्षेत्र के मेवली मोड़ पर हुई। दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर इतनी भीषण थी कि चार युवकों की जिंदगी पलभर में खत्म हो गई। सभी युवक एक समारोह से लौट रहे थे। तीन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चौथे ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि किसी ने हेलमेट नहीं पहना था। परिवारों में शादी-ब्याह की खुशियां मातम में बदल गईं।

दूसरा हादसा कानपुर देहात के शिवली क्षेत्र में हुआ। औरैया निवासी एक परिवार शादी समारोह से लौट रहा था, तभी उनकी वैन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे तालाब में जा गिरी। वाहन में 11 लोग सवार थे, लेकिन चार लोगों–जिनमें दो साल का मासूम भी शामिल था–की जान नहीं बचाई जा सकी। स्थानीय ग्रामीणों और पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद वाहन को बाहर निकाला, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।तीसरी घटना कानपुर देहात के रूरा क्षेत्र से जुड़ी है। उज्जैन से दर्शन कर लौट रहे चार दोस्तों की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। लखनऊ से यात्रा पर निकले इन युवकों की घर वापसी कभी पूरी नहीं हो सकी। मृतकों में एक युवक ऐसा भी था, जिसकी शादी दो वर्ष पहले हुई थी और उसका नौ माह का बेटा है।

तीनों हादसों में तेज रफ्तार, लापरवाही और सुरक्षा नियमों की अनदेखी समान रूप से सामने आई। एक सप्ताह में तीन जिलों में चार-चार मौतों का यह संयोग अब चेतावनी बनकर सामने है। सवाल यह है कि क्या हम इससे सबक लेंगे, या फिर अगली खबर भी चार नई अर्थियों की होगी?

फतेहपुर की घटना

कांग्रेस पर देश की छवि धूमिल करने का आरोप, विहिप ने फूंका राहुल गांधी का पुतला

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

फर्रुखाबाद । विश्व हिंदू परिषद (विहिप) के गौ रक्षा प्रकोष्ठ ने कांग्रेस पार्टी और उसके वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के खिलाफ कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए कायमगंज तहसील क्षेत्र में जोरदार प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने मुख्य चौराहे पर राहुल गांधी का पुतला फूंका और कांग्रेस पर देश की छवि धूमिल करने का गंभीर आरोप लगाया।विहिप गौ रक्षा प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता सबसे पहले सब्जी मंडी जवाहरगंज स्थित अपने स्थानीय कार्यालय पर एकत्रित हुए। वहां से वे एक साथ मुख्य चौराहे पर पहुंचे और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पूरे विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व विहिप गौ रक्षा प्रकोष्ठ के सह जिला प्रमुख प्रदीप सक्सेना ने किया।प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने हाल ही में एआई इम्पैक्ट समिट जैसे विश्व स्तरीय आयोजन में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए प्रदर्शन को बेहद निंदनीय बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकार के गैर-जिम्मेदाराना कृत्यों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न केवल कांग्रेस की, बल्कि पूरे देश की छवि खराब हुई है। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए इस कृत्य को देशद्रोही मानसिकता का परिचायक बताया।

शादी में नशेबाजों का तांडव: कुर्सियां चलीं सब्जी उछली, गर्म तेल से झुलसे मेहमान

» फिरोजाबाद के टूंडला में दुल्हन की विदाई से पहले मैरिज होम बना रणक्षेत्र

» घराती-बाराती आपस में भिड़े, दोनों पक्षों में समझौते के बाद शांत हुआ बवाल

» प्रमुख संवाददाता, स्वराज इंडिया

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में एक शादी समारोह उस समय अफरातफरी में बदल गया, जब नशे में धुत युवकों की हरकतों से घराती और बाराती आपस में ही भिड़ गए। मामला टूंडला थाना क्षेत्र के राजा का ताल स्थित बीएस पैलेस मैरिज होम का है, जहां शनिवार देर रात विजय दिवाकर की बेटी राखी की शादी समारोह चल रहा था। दूल्हा अनिल कुमार बारात लेकर रात करीब 10 बजे पहुंचा था।

बताया गया कि समारोह में मनोरंजन के लिए रंगशाला पार्टी को बुलाया गया था। मंच पर धार्मिक प्रस्तुतियां चल रही थीं और महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग कुर्सियों पर बैठकर कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान बारात में शामिल कुछ युवक नशे की हालत में मंच पर चढ़ गए और कलाकारों के साथ डांस करने की जिद करने लगे। आयोजकों ने उन्हें मंच से नीचे उतार दिया, जिससे नाराज युवकों ने हंगामा शुरू कर दिया।

देखते ही देखते कुर्सियां फेंकी जाने लगीं। किसी ने सब्जी की बाल्टी उठा ली तो किसी ने पूड़ी तलने की कड़ाही से गर्म तेल उछाल दिया। मारपीट में कई लोग झुलस गए। हंगामे के दौरान यह स्पष्ट नहीं हो सका कि उत्पात मचाने वाले किस पक्ष के थे, जिससे घराती और बाराती एक-दूसरे से ही उलझ पड़े। करीब दो घंटे तक मैरिज होम रणक्षेत्र बना रहा। महिलाएं बच्चों को लेकर चीखती-चिल्लाती बाहर भागीं और कई रिश्तेदार बिना भोजन किए ही लौट गए।

स्थिति बिगड़ती देख रस्में जल्दबाजी में पूरी कराई गईं। दुल्हन राखी और दूल्हा अनिल की विदाई के बाद दोनों पक्षों ने राहत की सांस ली। देर रात पुलिस को सूचना दी गई, लेकिन दोनों पक्षों ने कार्रवाई से इनकार करते हुए लिखित समझौता दे दिया। रविवार सुबह पंचायत के बाद मैरिज होम में टूटी कुर्सियों व अन्य नुकसान की भरपाई कर दी गई। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद इलाके में चर्चा बनी हुई है।

दिख रहा एसपी श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की बेहतर पुलिसिंग का जज्बा..!

ज़िले में क्राइम कंट्रोल काफी बेहतर होता जा रहा है

राहुल अग्निहोत्री स्वराज इंडिया

कानपुर देहात. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के भ्रष्टाचार और अपराध पर जीरो टॉलरेंस की नीति का सपना कानपुर देहात में साकार होता दिख रहा है।अपराधियों और माफियाओं को उनके वास्तविक घर जेल की सलाखों के पीछे भेजने की कार्यवाही इस समय पूरे जिले में दिखाई दे रही है। गैंगस्टर के अभियुक्त हो अथवा वांछित अभियुक्त हो सभी की गिरफ्तारी कराकर सरकारी कंगन पहनाकर सलाखों के पीछे भेजकर पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द पाण्डेय ने अमन पसंद नागरिकों को भय मुक्त समाज देने का काम कर रही है।

वही जिले में सबसे महत्वपूर्ण बात यह चल रही है,कि निऱ्अपराध व्यक्ति को सताया नहीं जा रहा,तो वही अपराधियों और माफियाओं को किसी सूरत में बख्शा भी नहीं जा रहा है। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय के आने के बाद से क्राइम कंट्रोल काफी बेहतर होता जा रहा है।चाहे महिला सुरक्षा का मामला हो या शातिर अभियुक्तों की गिरफ्तारी का मामला हो।अचानक से कानपुर देहात के लोग बड़ा बदलवा महसूस करने लगे है।पुराने मामलों में वांछित अपराधियों की ताबड़तोड़ गिरफ्तारी से जिले में हो रहे अपराधों में कमी आयी है।स्ट्रीट क्राइम से लेकर महिलाओं के प्रति अपराध हो या अन्य गंभीर अपराध सभी से निपटने के लिए पुलिस अफसरों की अगुवाई में पुलिस का रवैया बहुत तेजी से बदला है।जिले के सभी थानों में फरियादियों से पुलिस व्योहार अच्छा हो इसके लिए पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की तरफ से सख्त निर्देश दिये गये है।बीते कुछ दिनों में गंभीर अपराधों में वांछित की गिरफ्तारी से अपराध में भी भारी कमी आयी है।उत्तर प्रदेश के कानपुर देहात को जहां कभी हत्या,लूट,डकैती,बलात्कार व बलवा आदि के लिए जाना जाता था।तो आज उसी कानपुर देहात में पुलिस का इकबाल बुलंद है।जिसके पीछे जिले की पुलिस मुखिया श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय की दिन रात की कड़ी मेहनत व अपने सहकर्मियों को उचित दिशा-निर्देश है।लेडी सिंघम के नाम से मशहूर वर्ष-2017 बैंच की तेजतर्रार,ईमानदार,कृत्यवनिष्ठ व न्यायप्रिय इस

आईपीएस अफसर ने जनपद में तैनाती के बाद कानून-व्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है।उनकी कहानी साहस,अनुशासन और स्मार्ट पुलिसिंग की मिसाल बन चुकी है।वे अपनी उपलब्धियों के लिए यूपी पुलिस के मुखिया डीजीपी के गोल्ड मेडल से सम्मानित हो चुकी है।अपने शानदार कार्यकाल में उन्होंने कड़क कार्रवाई कर सैकड़ों बदमशों और दर्जनों माफियाओं की कमर तोड़ने का काम किया है।

खानपुर डिलवल की हवेली इतिहास और गौरव की प्रतीक

» 1930 में शुरू हुआ निर्माण, 1940 में पूर्ण; राजा विशम्भर सिंह की विरासत आज भी गांव की पहचान

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झींझक (कानपुर देहात)। देश की आजादी के दौर में जहां एक ओर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ संघर्ष तेज था, वहीं दूसरी ओर कुछ रियासतें अपनी विशिष्ट पहचान और स्वाभिमान के लिए जानी जाती थीं। जनपद के खानपुर डिलवल गांव स्थित राजा विशम्भर सिंह की ऐतिहासिक हवेली आज भी उस दौर की शान और शौर्य की कहानी कहती है। जर्जर हो चुकी यह हवेली स्थानीय इतिहास और गौरव का प्रतीक मानी जाती है।

राजा भारत सिंह के दो पुत्र थे विशम्भर सिंह और रामपाल सिंह। विशम्भर सिंह सरल और सौम्य स्वभाव के माने जाते थे, जबकि रामपाल सिंह उग्र विचारों और हठधर्मिता के लिए प्रसिद्ध थे। उस समय राजाओं को 'बरना जी' कहा जाता था, जिसका अपभ्रंश आज 'बना जी' के रूप में प्रचलित है। विशम्भर सिंह ने वर्ष 1930 में इस भव्य हवेली का निर्माण कार्य शुरू कराया, जो 1940 में पूर्ण हुआ। हवेली की ऊपरी दीवार पर आज भी '1940 ई.' अंकित बताया जाता है। कहा जाता है कि जब राजा घोड़े पर सवार होकर निकलते थे तो ग्रामीण सिर झुकाकर सलामी देते थे। रात्रि में हवेली की रोशनी से आसपास के गांव—डिलवल और प्रयागपुर—जगमगा उठते थे, मानो प्रतिदिन दीपावली हो।

अंग्रेज भी लगाते थे कचहरी में हाजिरी

परिवार के ही राजेंद्र बहादुर सिंह के बारे में बुजुर्ग बताते हैं कि उनकी रियासत में अंग्रेजी सत्ता का सीधा हस्तक्षेप नहीं था। अंग्रेज अधिकारी भी उनसे मिलने खानपुर आते थे। हवेली परिसर में कचहरी लगती थी, जहां जनता के मुकदमे बिना किसी शुल्क के सुने जाते थे। मामलों के निस्तारण के लिए डिप्टी नियुक्त था, जिनमें प्रथम डिप्टी के रूप में ज्ञान सिंह का नाम लिया जाता है। कहा जाता है कि अंग्रेज अधिकारी डेढ़ महीने तक यहां कैंप लगाते थे और अपने मुकदमे भी इसी कचहरी में पेश करते थे। अंग्रेजी भाषा का ज्ञान रामपाल सिंह को था, जो अनुवाद कर डिप्टी को पूरा विवरण समझाते थे। ग्रामीणों का दावा है कि इस अदालत में कभी अन्याय नहीं हुआ।

अंतिम विदाई में 10 हाथियों की सलामी

वर्ष 1951 में विशम्भर सिंह गंभीर रूप से बीमार पड़े और 1952 में उनका निधन हो गया। स्थानीय किंवदंती के अनुसार, उनके अंतिम संस्कार के समय 10 सजे-धजे हाथियों ने दो पैरों पर खड़े होकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनका अंतिम संस्कार खानपुर स्थित बाग में किया गया, जहां स्मारक भी बनवाया गया। विशम्भर सिंह की दो पुत्रियां लल्ली और बाई थीं, जिनका विवाह ग्वालियर और सिखरी (जालौन) में हुआ। उनके कोई पुत्र नहीं था। रामपाल सिंह के पुत्र दिग्विजय सिंह हुए, जिनकी अगली पीढ़ी में विजय सिंह, अनिल सिंह और राजीव सिंह का नाम लिया जाता है। आज जर्जर अवस्था में खड़ी खानपुर-डिलवल की यह हवेली क्षेत्र की ऐतिहासिक धरोहर के रूप में देखी जाती है। स्थानीय लोग इसे संरक्षित किए जाने की मांग भी उठाते रहे हैं, ताकि आने वाली पीढ़ियां अपने अतीत की इस विरासत को जान सकें।

एक नजर में...

- **1930 में निर्माण शुरू, 1940 में हवेली पूर्ण**
- **हवेली परिसर में लगती थी निशुल्क कचहरी**
- **अंग्रेज अधिकारी भी करते थे यहां मुकदमों की पेशी**
- **1952 में निधन, 10 हाथियों ने दी अंतिम सलामी**
- **आज भी फोटो-वीडियो शूट के लिए आकर्षण का केंद्र**

पदभार ग्रहण करते ही प्रभारी निरीक्षक ने बढ़ाई चहलकदमी

व्यापारियों से किया संवाद,पर्वों को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। रसूलाबाद कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक शिवनारायण सिंह पदभार ग्रहण करने के बाद रसूलाबाद कस्बे के विभिन्न मार्गों में भारी पुलिस बल के साथ पैदल गश्त की। इस दौरान व्यापारियों से संवाद कर दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगवाने की बात कही।

रसूलाबाद मुख्य चौराहा पर उन्होंने सड़क किनारे खड़े वाहनों की चेकिंग की। झींझक रोड तिराहा पर स्थित शराब दुकानों पर भी संदिग्ध लोगों से पूछताछ की और बताया कि कानून व्यवस्था बेहतर रखी जाएगी किसी भी दशा में कानून के साथ खिलवाड़ करने वालों को बक्सा नहीं जाएगा। उन्होंने स्थानीय व्यापारियों से अपील करते हुए कहा कि आगामी होली, ईद उल फितर और रमजान के महीने को मद्देनजर आपसी सौहार्द बनाए रखें। कोई भी व्यक्ति यदि माहौल खराब करने की कोशिश करें तो पुलिस को जानकारी दें।

अकबरपुर के मेट्रो हॉस्पिटल पर गंभीर आरोप, डीएम से शिकायत

» इलाज करवाने के बाद दिए गए बिल वाउचर को बीमा कंपनी ने किया खारिज

» बीमा कंपनी ने कहा कि आधी इलाज और जांच की रिपोर्ट संदिग्ध है

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कस्बा अकबरपुर स्थित एक निजी अस्पताल एक बार फिर विवादों में आ गया है। पीड़ित महिला ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर अस्पताल संचालक पर फर्जी जांच रिपोर्ट, जबरन भर्ती और गलत इलाज कर भारी बिल वसूलने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं।पीड़िता सुनीता देवी के अनुसार, अक्टूबर माह में उन्होंने अपने दोनों नाबालिग बच्चों आर्या और सूर्या का इलाज अकबरपुर के माती रोड स्थित मेट्रो अस्पताल में कराया था। आरोप है कि अस्पताल संचालक सागर कटियार ने बच्चों को जबरन भर्ती कर लिया और बिना लाइसेंस संचालित एक पैथोलॉजी लैब से सैंपल भेजकर जांच कराई, जिसकी रिपोर्ट अस्पताल में ही उपलब्ध करा दी गई।

पीड़िता का कहना है कि जब इलाज से संबंधित दस्तावेज बीमा क्लेम के लिए जमा किए गए तो बीमा कंपनी ने रिपोर्ट संदिग्ध बताते हुए क्लेम निरस्त कर दिया। इसके बावजूद अस्पताल द्वारा इलाज के नाम पर मोटी रकम वसूली गई। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि विरोध करने पर परिवार को धमकियां दी गईं।मामले को लेकर पीड़ित परिवार ने जिलाधिकारी से जांच कर कार्रवाई की मांग की है। उधर प्रदेश में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं सुनिश्चित करने और फर्जीवाड़ा रोकने के लिए ब्रजेश पाठक द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं, ऐसे में यह मामला स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े कर रहा है।

जनपद में बिना लाइसेंस कई स्थानों पर ब्लड जांच और पैथोलॉजी सेवाएं संचालित होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह ने बताया कि मामला संबंधित नोडल अधिकारी को भेजा गया है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

वहीं अस्पताल संचालक सागर कटियार ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि इलाज उनके यहां हुआ था, लेकिन जांच कहां से कराई गई इसकी उन्हें जानकारी नहीं है।

अब देखना यह होगा कि जांच के बाद प्रशासन इस मामले में क्या कार्रवाई करता है।

» सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराया भर्ती

पलटी बोलेरो कार, आधा दर्जन हुए घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर शादी समारोह में शामिल होकर वापस घर लौट रहे आधा दर्जन लोग बोलेरो कार अनियंत्रित होकर पलटने से घायल हो गये। सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झींझक में भर्ती कराया गया।

मंगलपुर बंबा के समीप कार में सवार 58 वर्षीय बैजनाथ निवासी मनावा ककवन ने बताया कि वह अपने बेटे अवनीश, नाती अमन सहित कानपुर निवासी आयुष, जयनारायण, अंश पाल व पिंटू निवासी बिठूर के साथ कार में सवार होकर भोगनीपुर एक शादी समारोह में शामिल होने गये थे।

बारात में सम्मिलित होने के बाद सभी बोलेरो में सवार होकर वापस अपने घर आ रहे थे। तभी मंगलपुर पहुंचने पर बंबा के समीप अचानक सामने से तेज रफ्तार डंपर आने पर बोलेरो अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई। इससे अंश को छोड़ उक्त सभी लोग गंभीर घायल हो गये। सभी घायलों को सीएचसी झींझक पहुंचाया गया। यहां मौजूद चिकित्सक डॉ. राजीव कुमार ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर हालत गंभीर देख सभी को जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

न्याय और जनकल्याण योजनाओं का मिला सीधा लाभ, 196 लाभार्थी हुए लाभान्वित

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

इको पार्क माती में मेगा विधिक सेवा शिविर का किया गया आयोजन

कानपुर देहात। माती स्थित इको पार्क में आयोजित मेगा विधिक सेवा शिविर जनसेवा, पारदर्शिता और प्रशासनिक सक्रियता का सशक्त उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर का उद्देश्य आमजन विशेषकर निर्धन, महिलाओं, दिव्यांगजनों और असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराना तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ सीधे प्रदान करना रहा।

कार्यक्रम में जनपद न्यायाधीश मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सहित न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। अधिकारियों ने शिविर के माध्यम से जनसामान्य को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने और योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहराई। शिविर में कुल 23 विभागों द्वारा स्टॉल लगाए गए, जहां विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी की गई। विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत कुल 196 लाभार्थियों को सीधे लाभान्वित किया गया।

दिव्यांगजनों को व्हीलचेयर और वॉकिंग स्टिक वितरित की गईं। उज्ज्वला योजना के तहत पात्र महिलाओं को गैस चूल्हे प्रदान किए गए, जिससे उनके घरों में स्वच्छ ईंधन की सुविधा सुनिश्चित हो सके। स्वास्थ्य विभाग द्वारा

निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। श्रम, समाज कल्याण और महिला कल्याण विभागों ने भी पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण कर उन्हें आगे योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया प्रारंभ की। पुलिस अधीक्षक श्रद्धा नरेन्द्र पाण्डेय ने उपस्थित नागरिकों को उनके अधिकारों, महिला सुरक्षा और साइबर अपराध से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। कार्यक्रम के दौरान बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार भी संपन्न कराया गया, जो शिविर का विशेष आकर्षण रहा।

इसके अतिरिक्त, जिला कारागार द्वारा निर्मित उत्पादों तथा स्वयं सहायता समूहों के हस्तनिर्मित सामान की स्टॉल लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं। स्थानीय नागरिकों ने इन उत्पादों की खरीदारी कर स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के प्रयासों की सराहना की। न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और निर्देश दिए कि प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पारदर्शिता एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए।

अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की हो रही है राजनीतिक घेराबंदी !

कोर्ट के आदेश पर पॉक्सो एक्ट सहित अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने विवेचना शुरू की

» स्वराज इंडिया ब्यूरो

प्रयागराज/वाराणसी। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के विरुद्ध दर्ज मुकदमे के बाद मामले की जांच तेज हो गई है। कोर्ट के आदेश पर पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किए जाने के बाद पुलिस ने विवेचना की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी क्रम में झूंसी थाना प्रभारी महेश मिश्रा के नेतृत्व में पुलिस टीम पूछताछ के लिए वाराणसी पहुंची है।बताया जा रहा है कि यह वाद आशुतोष ब्रह्मचारी महाराज द्वारा निचली अदालत में दाखिल किया गया था। 21 फरवरी को अदालत ने मुकदमा दर्ज करने का आदेश जारी किया, जिसके अनुपालन में पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण पंजीकृत कर जांच प्रारंभ कर दी। कोर्ट के निर्देश के बाद विवेचना को गति देते हुए प्रयागराज से पुलिस टीम वाराणसी पहुंचकर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्यों तथा अन्य संबंधित व्यक्तियों से घटनाक्रम के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत पूछताछ कर रही है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, मामले से जुड़े तथ्यों, दस्तावेजों और साक्ष्यों का परीक्षण किया जा रहा है। जांच के दौरान कथित घटनाओं की समयरेखा, संबंधित व्यक्तियों की भूमिका तथा उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई तय की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि जांच निष्पक्ष और तथ्यों के आधार पर की जाएगी। इस प्रकरण को लेकर धार्मिक और सामाजिक हलकों में चर्चा तेज हो गई है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मामला न्यायालय के आदेश के तहत दर्ज हुआ है और विधिक प्रक्रिया के अनुरूप ही कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि अफवाहों पर ध्यान न दें और आधिकारिक जानकारी पर ही विश्वास करें।

राजनीतिक चर्चाएं भी तेज

मामले के सामने आने के बाद राजनीतिक गलियारों में भी हलचल देखी जा रही है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों और सामाजिक संगठनों का आरोप है कि राज्य सरकार स्वामी को घेरकर उन पर दबाव बनाने की रणनीति के तहत कार्रवाई कर रही है। उनका कहना है कि जिस समय और तरीके से मामला उभरा है, उससे संदेह की स्थिति उत्पन्न हो रही है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक इस तरह के आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि पूरा प्रकरण न्यायालय के आदेश पर आधारित है और जांच पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है।

जनमानस की मिली-जुली प्रतिक्रिया

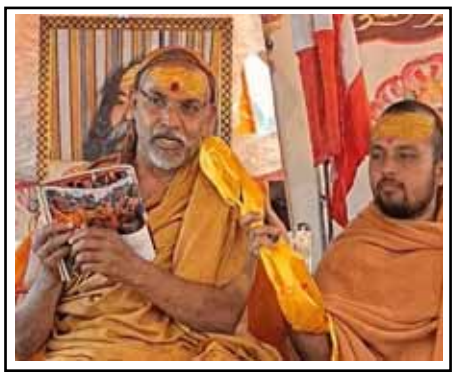

इस प्रकरण को लेकर आम जनमानस में मिली-जुली प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। कुछ लोगों का कहना है कि मामला अत्यंत गंभीर है और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो कठोर से कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। वहीं कई नागरिकों का मत है कि किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले निष्पक्ष जांच और न्यायालय के अंतिम निर्णय का इंतजार किया जाना चाहिए। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि धार्मिक पद पर आसीन व्यक्तियों से समाज की अपेक्षाएं अधिक होती हैं, इसलिए ऐसे मामलों की पारदर्शी और समयबद्ध जांच आवश्यक है। फिलहाल पुलिस पूछताछ और साक्ष्य संकलन की प्रक्रिया जारी है। आने वाले दिनों में जांच की दिशा और संभावित कानूनी कार्रवाई को लेकर स्थिति और स्पष्ट होने की संभावना है।

आशुतोष ब्रह्मचारी पर भी 21 मुकदमे

शंकराचार्य स्वामी अवमुक्तेश्वरानंद जी महाराज पर यौन शोषण का मुकदमा लिखवाने वाले आशुतोष ब्रह्मचारी महराज का मूल नाम आशुतोष पांडेय है। ये शामली जिले के कांधला थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। इनके ऊपर 21 केस दर्ज है। इसमें यूपी गोवध अधिनियम, एंटी करप्शन एक्ट, गैंगस्टर एक्ट, आईटी एक्ट, रेप, धोखाधड़ी, धमकी के केस हैं। सभी मामलों में चार्जशीट भी लगाई जा चुकी है। आशुतोष हिस्ट्रीशीटर हैं, हिस्ट्रीशीट नंबर 76 है। आशुतोष से जुड़े इन रिकॉर्ड को शंकराचार्य के शिष्य योगीराज ने पब्लिक और मीडिया के सामने रखा है। शंकराचार्य महाराज ने भी मीडिया से बात करते हुए आशुतोष को हिस्ट्रीशीटर बताया था। पुलिस उन्हें हिस्ट्रीशीटर बनाती है जो बार-बार अपराध करता है। सुधरने की संभावना नहीं दिखती। गैंग बनाकर अपराध करते हैं। आशुतोष के बारे में एक जानकारी यह है कि वह 2022 में जगतगुरू रामभद्राचार्य से दीक्षा ली। फिर श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष बन गए। फिलहाल प्रयागराज की पॉक्सो कोर्ट के आदेश पर शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद, उनके शिष्य मुकुंदानंद व 2-3 अन्य लोगों पर यौन शोषण की गंभीर धाराओं में स्त्रद्धक्रदर्ज करने के आदेश दिए हैं।

अवैध निर्माण रुकवाने पहुंची पुलिस पर पथराव, महिला सिपाही से हाथापाई कर वर्दी फाड़ी

सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप, दो दर्जन ग्रामीणों के खिलाफ मुकदमा दर्ज, गांव में तनाव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फर्रुखाबाद। जनपद के थाना कमालगंज क्षेत्र में अवैध निर्माण रुकवाने पहुंची पुलिस टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पथराव के दौरान महिला सिपाही को पकड़कर उसके साथ हाथापाई की गई और वर्दी फाड़ दी गई। मामले में पुलिस ने करीब दो दर्जन ग्रामीणों के खिलाफ सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट और बलवा की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

घटना 21 फरवरी की बताई जा रही है। पीआरवी संख्या 7871 को सूचना मिली थी कि ग्राम नगला जोध में कुछ लोग अवैध रूप से मकान का निर्माण कर रहे हैं और मना करने पर भी निर्माण कार्य नहीं रोक रहे। सूचना पर खुदागंज चौकी प्रभारी अनिल कुमार, हेड कांस्टेबल कृष्णपाल और खेमचंद पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस के अनुसार, निर्माण रोकने को कहने पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और गाली-गलौज शुरू कर दी। स्थिति बिगड़ने पर थाना कमालगंज से अतिरिक्त फोर्स बुलाया गया। आरोप है कि मनीष, पंकज, आदर्श समेत अन्य नामजद व अज्ञात ग्रामीणों ने 15-20 महिलाओं के साथ मिलकर पुलिस टीम पर पथराव कर दिया।

इसी दौरान थाना कमालगंज में तैनात महिला सिपाही चंचल को पकड़कर उसके साथ हाथापाई की गई, जिससे उसकी वर्दी फट गई। पुलिस वाहन के सामने खड़े होकर भीड़ ने पथराव किया, जिससे मौके पर अफरातफरी और दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने कुछ आरोपितों को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन कई ग्रामीण घरों में छिप गए और कुछ मौके से फरार हो गए। चौकी प्रभारी ने बताया कि मामले की जांच इंस्पेक्टर राजीव कुमार को सौंपी गई है। आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है और जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। पुलिस बल तैनात कर हालात पर नजर रखी जा रही है।

अग्निहोत्र जयंती पर सामूहिक वैदिक यज्ञ सम्पन्न

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। अवध अग्निहोत्र संघ (ए.ए.एस.) लखनऊ के तत्वावधान में अग्निहोत्र जयंती के पावन अवसर पर रायबरेली रोड स्थित माधव सेवा आश्रम में सूर्यास्त के निश्चित समय पर सामूहिक वैदिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में आगंतुकों एवं अग्निहोत्र-कर्ताओं ने सहभागिता करते हुए 25 हवन पात्रों में स्वयं अग्निहोत्र संपन्न किया तथा इसके महत्व की जानकारी उपस्थित लोगों को दी।

सामूहिक अग्निहोत्र से पूर्व जनकल्याण की भावना से एक घंटे तक महामृत्युंजय यज्ञ भी आयोजित किया गया।

आयोजन के दौरान उपस्थित लोगों को अग्निहोत्र संबंधी पत्रक एवं प्रसाद वितरित किया गया।

बताया गया कि आज से 63 वर्ष पूर्व 22 फरवरी 1963 को महाशिवरात्रि के दिन महानुभाव श्री माधव जी पोतदार (साहिब जी) द्वारा भोपाल के बैरागढ़ में प्रथम अग्निहोत्र यज्ञ प्रारंभ किया गया था। तभी से इस तिथि को अग्निहोत्र जयंती के रूप में उत्साहपूर्वक मनाया जाता है।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि प्रामाणिक वैदिक अग्निहोत्र के लाभ न केवल यज्ञकर्ता बल्कि उनके परिवार, समाज और पर्यावरण को भी प्राप्त होते हैं। इसे प्रदूषण मुक्ति का सरल एवं प्रभावी उपाय बताया गया।

सामूहिक अग्निहोत्र यज्ञ का आयोजन अवध अग्निहोत्र संघ के श्री रामचंद्र के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में सतीश गुप्ता, डॉ. निशिकांत मिश्र, प्रदीप दीक्षित, विजय अग्निहोत्री सहित अनेक सहयोगियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

राष्ट्रपति दौरे से पहले अयोध्या पर आतंकी साजिश का साया!

दिल्ली में पकड़े गए आतंकियों ने अयोध्या समेत देश के प्रमुख धार्मिक और भीड़भाड़ वाले स्थलों की रेकी की थी

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। 19 मार्च को राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे से पहले अयोध्या को दहलाने वाली साजिश का खुलासा हुआ है। दिल्ली में पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों की पूछताछ में सामने आया है कि उन्होंने अयोध्या समेत देश के प्रमुख धार्मिक और भीड़भाड़ वाले स्थलों की रेकी कर रखी थी। मोबाइल से बरामद वीडियो और दस्तावेज इस खतरनाक मंसूबे की गवाही दे रहे हैं।

स्पेशल सेल की गिरफ्त में आए आतंकियों ने सुरक्षा एजेंसियों की नींद उड़ा दी है। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि राष्ट्रपति दौरे के मद्देनज़र अयोध्या को निशाना बनाने की गहरी साजिश रची जा रही थी।

आरोपी हथियारों की व्यवस्था में जुटे थे और विदेशों में बैठे नेटवर्क से लगातार संपर्क में थे। जांच में सामने आया है कि इस नेटवर्क का संचालन बांग्लादेश से किया जा रहा था, जहां से भारत में युवकों को भेजा जा रहा था। इस पूरे मॉड्यूल का संबंध प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा से बताया जा रहा है।

आतंकी सरगना शब्बीर अहमद लोन पूर्व में भी गंभीर मामलों में गिरफ्तार हो चुका है और सजा काटने के बाद फिर सक्रिय हो गया था। सूत्रों के अनुसार, शब्बीर के संपर्क पाकिस्तान में बैठे आतंकी सरगनाओं हाफिज सईद और जकी-उर-रहमान लखवी से रहे हैं। वहीं, भारत में कट्टरपंथी प्रचार के लिए पोस्टर अभियान चलाकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश की गई।

पुलिस अब आरोपियों की रिमांड लेकर नेटवर्क की जड़ तक पहुंचने में जुटी है। राष्ट्रपति दौरे से पहले सुरक्षा एजेंसियां हाई अलर्ट पर हैं। यह खुलासा बताता है कि अयोध्या केवल आस्था का केंद्र नहीं, बल्कि देश विरोधी ताकतों के निशाने पर भी है। सुरक्षा बनाम साजिश की इस जंग में प्रशासन की सतर्कता ही सबसे बड़ा हथियार है।

रामनगरी में आस्था का नया अध्याय, ट्रस्ट को सौंपे गए सप्तर्षि व शेषावतार मंदिर

परकोटे का कार्य पूरा होते ही छह पूरक मंदिरों का भी होगा हस्तांतरण, मार्च के बाद खुलेंगे श्रद्धालुओं के लिए दर्शन

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। श्रीरामजन्मभूमि परिसर के दक्षिणी हिस्से में परकोटे के बाहर निर्मित रामायणकालीन सप्तर्षि मंदिरों एवं शेषावतार मंदिर का विधिवत हस्तांतरण अब श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को कर दिया गया है। इसके साथ ही रामनगरी में श्रद्धा, परंपरा और आस्था के एक और महत्वपूर्ण अध्याय का शुभारंभ हो गया है।

परकोटे के भीतर निर्मित छह पूरक मंदिरों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इनमें स्थापित प्रतिमाओं की प्राण-प्रतिष्ठा भी पहले ही संपन्न हो चुकी है। हालांकि, परकोटे के मध्य स्थित होने के कारण इन्हें अभी तक औपचारिक रूप से ट्रस्ट को हस्तांतरित नहीं किया गया है। परकोटे में चल रहे फिनिशिंग और साफ-सफाई के कार्य के पूर्ण होते ही मार्च माह तक इन्हें भी लार्सन एंड टुब्रो कंपनी द्वारा ट्रस्ट को सौंप दिया जाएगा।गौरतलब है कि गत वर्ष पांच जून को ट्रस्ट द्वारा सप्तर्षि मंदिरों, शेषावतार मंदिर तथा पूरक मंदिरों में एक साथ प्राण-प्रतिष्ठा कराई गई थी। तभी से यहां नियमित पूजन-अर्चन जारी है। विशेष अवसरों पर विशिष्ट अतिथियों एवं सेवाकर्मियों को दर्शन की सुविधा भी दी जाती रही है। राम मंदिर परिसर के चारों ओर निर्मित 732 मीटर लंबे परकोटे का कार्य अधूरा होने के कारण अब तक आम श्रद्धालुओं के लिए नियमित दर्शन प्रारंभ नहीं हो सके। पहले फरवरी में दर्शन आरंभ करने की योजना थी, लेकिन निर्माण कार्य समय से पूरा न होने के कारण इसे स्थगित करना पड़ा।

वर्तमान में परकोटे का कार्य मार्च तक चलने की संभावना है। इसी बीच ट्रस्ट ने नवसंवत्सर एवं वर्ष प्रतिपदा के अवसर पर प्रस्तावित भव्य समारोह की तैयारियां तेज कर दी हैं। सभी मंदिरों का हस्तांतरण पूर्ण होते ही श्रद्धालुओं के लिए नियमित दर्शन व्यवस्था प्रारंभ करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएंगे। इससे अयोध्या में आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक गौरव को नई ऊंचाई मिलने की उम्मीद है।

रक्षा खडसे ने 'रन फॉर राम' को दी नई ऊर्जा, अयोध्या से वैश्विक संदेश

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। पवित्र सरयू घाट पर आयोजित 'रन फॉर राम संवाद' ने खेल, आध्यात्मिकता और सांस्कृतिक मूल्यों का अनूठा संगम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने किया। यह आयोजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संरक्षण में क्रीड़ा भारती द्वारा संपन्न हुआ।संवाद में खिलाड़ियों, युवाओं और विशेषज्ञों ने फिटनेस, अनुशासन और भारतीय सभ्यता के मूल्यों पर चर्चा की। रक्षा खडसे ने कहा कि 'रन फॉर राम' को भविष्य में वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। पद्मश्री से सम्मानित पैरा ओलंपियन प्रवीण कुमार ने युवाओं को समर्पण और सकारात्मक सोच का संदेश दिया। उत्तर प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश यादव ने इसे सरकारी स्तर पर मान्यता देने की घोषणा की। कार्यक्रम में ओलंपियन कर्णम मल्लेश्वरी सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने 'वनवास से फिनिश लाइन तक' विषय पर चर्चा करते हुए मैराथन को साधना और आत्मिक यात्रा से जोड़ा। आयोजन ने अयोध्या को वैश्विक आध्यात्मिक-खेल गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मजबूत कदम साबित किया।

चरांवा में निशुल्क नेत्र शिविर, 775 मरीजों को मिला उपचार व चश्मा

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या।विकासखंड तारुन के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय चरांवा में निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।शिविर के आयोजक हरिशचंद्र निषाद ने बताया कि यह उनके इस सत्र का 22वां तथा अब तक का 52वां शिविर था। शिविर में कुल 775 मरीजों ने पंजीकरण कराकर निशुल्क दवा एवं चश्मा प्राप्त किया। जांच के दौरान लगभग आधा दर्जन मोतियाबिंद के मरीज पाए गए, जिन्हें ऑपरेशन के लिए अयोध्या स्थित आई हॉस्पिटल ले जाने की तैयारी की जा रही है। मरीजों का नेत्र परीक्षण डॉ. शिवांश सिंह, डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. करण पांडेय, डॉ. सुमित मिश्रा तथा डॉ.वापिस बिहारी की टीम द्वारा किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि रविंद्र कुमार भारती, पूर्व सदस्य जिला पंचायत ने कहा कि आंखें प्रकृति का अनमोल वरदान हैं, हमें सभी को इनकी सुरक्षा और देखभाल करनी चाहिए। संदीप तिवारी, अनिल कुमार, रामचंद्र यादव, अमरनाथ निषाद, जियालाल भारती, राहुल चौधरी, कर्मवीर राम, अवतार बिंदु निषाद, बृजेश कुमार, मंसाराम आदि मौजूद रहे।

मेक्सिको में 'अल मेंचो' ढेर, ड्रग साम्राज्य पर सेना की बड़ी चोट

- सबसे वांछित तस्कर की मौत के बाद कई राज्यों में हिंसा, आगजनी और हाईवे जाम
- भारतीय दूतावास की एडवाइजरी जारी, नागरिकों को सतर्क रहने की अपील

स्वराज इंडिया न्यूज़ डेस्क

नई दिल्ली। मेक्सिको में सेना ने एक बड़े ऑपरेशन में देश के कुख्यात ड्रग तस्कर नेमेसियो रूबन ओसेगुएरा सर्वेंटेस उर्फ 'अल मेंचो' को मार गिराया। वह जलिस्को न्यू जनरेशन कार्टेल (सीजेएनजी) का सरगना था और दुनिया के मोस्ट वॉन्टेड अपराधियों में शामिल था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, जलिस्को क्षेत्र में कार्रवाई के दौरान वह गंभीर रूप से घायल हुआ। उसे एयरलिफ्ट कर मेक्सिको सिटी ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में उसकी मौत हो गई।

अल मेंचो की मौत के बाद जलिस्को समेत कई राज्यों में उसके समर्थकों ने हिंसक प्रदर्शन शुरू कर दिया। कई जगह गाड़ियों में आग लगा दी गई और हाईवे जाम कर दिए गए। एयरपोर्ट, पेट्रोल पंप और मॉल तक को निशाना बनाया गया, जिससे हालात तनावपूर्ण हो गए।यह कार्टेल सिनालोआ कार्टेल जितना ही शक्तिशाली माना जाता है और इसकी पहुंच अमेरिका के लगभग सभी राज्यों तक बताई जाती है। अमेरिकी सरकार ने अल मेंचो पर 15 मिलियन डॉलर (करीब 136 करोड़ रुपये) का इनाम घोषित किया था।

स्थिति बिगड़ने के बाद भारतीय दूतावास ने एडवाइजरी जारी कर जलिस्को, तमाउलिपास, मिचोआकान, गुरेरो और न्यूवो लियोन जैसे क्षेत्रों में रह रहे भारतीयों को सतर्क रहने को कहा है। नागरिकों से सुरक्षित स्थानों पर रहने, अनावश्यक आवाजाही से बचने और भीड़-भाड़ से दूर रहने की अपील की गई है। मेक्सिको लंबे समय से वैश्विक ड्रग तस्करी का बड़ा केंद्र रहा है, जहां से कोकीन, हेरोइन, मेथ और फेंटेनाइल जैसे खतरनाक ड्रग्स अमेरिका तक पहुंचते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, ड्रग कार्टेल्स अब इतने शक्तिशाली हो चुके हैं कि कई इलाकों में वे समानांतर सत्ता की तरह काम कर रहे हैं। हाल के वर्षों में इन कार्टेल्स ने ड्रोन, भारी हथियार और बख्तरबंद वाहनों का इस्तेमाल बढ़ा दिया है, जिससे सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौती और भी बढ़ गई है। अल मेंचो की मौत को इस नेटवर्क पर बड़ी चोट माना जा रहा है, लेकिन हालात फिलहाल बेहद संवेदनशील बने हुए हैं।

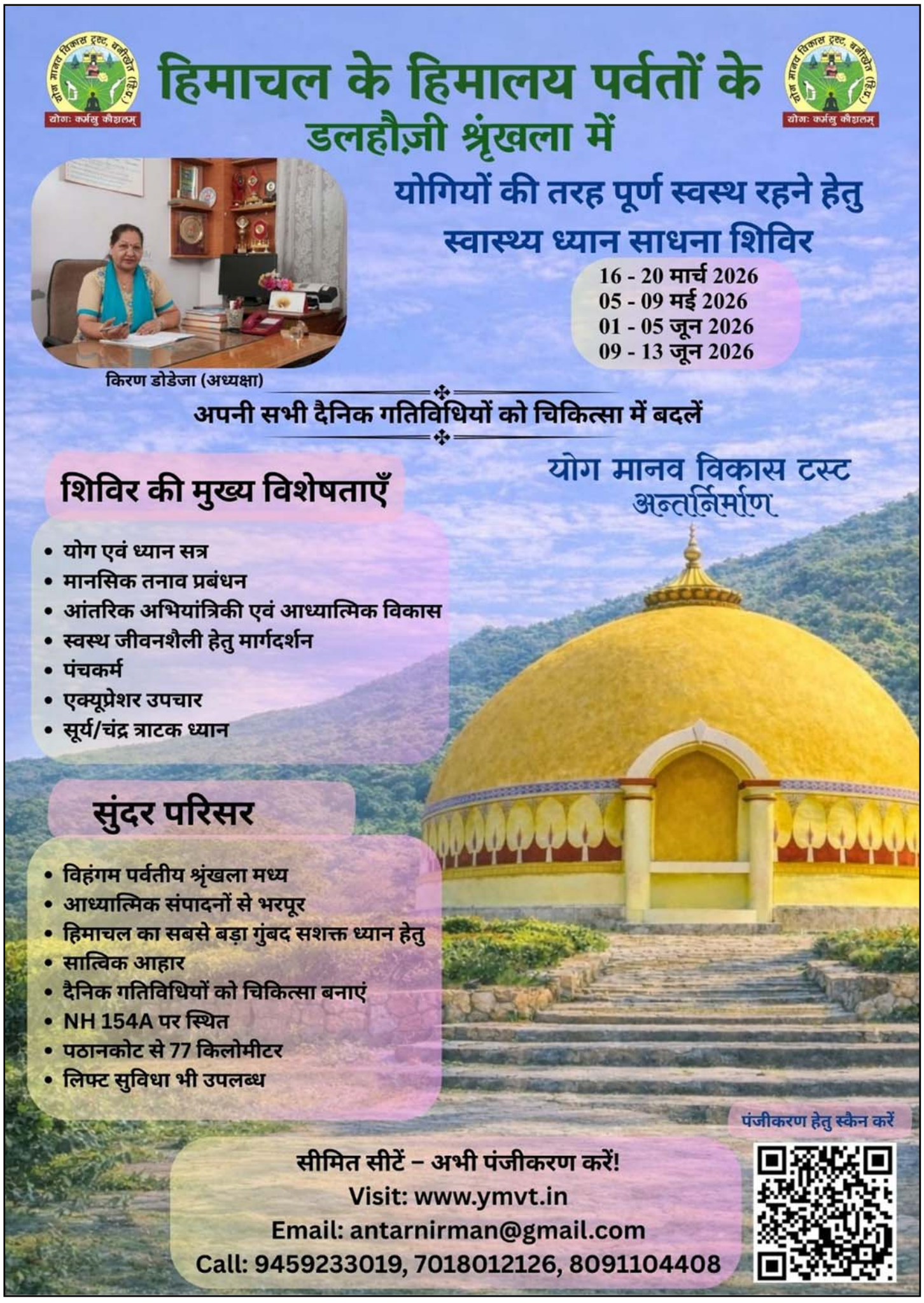

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **सपना देवी** द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। **संपादक: अनूप कुमार** **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 ❍ **Email:** swarajindia2023@gmail.com ❍ Mob: 7800009853, ❍ **Website:** www.swarajindianews.com ❍ (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे) **प्रधान संपादक: पुरुषोत्तम द्विवेदी**

ई-पेपर पढ़ने के लिए क्लिक करें https://epaper.swarajindianews.com